Anand
DATE :
PAGE NO. :

ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:-10 दिनांक 14/06/2021
ZOOM0025 WAV स्थान- बड़नावा चारणान्
ट्रैक समयावधि- 45.39 मिनट
कलाकार का नाम- (नेकु खां) गायन वादन
पिता का नाम - सिन्धे खां
पता-> बड़नावा चारणान् तेह० फागपदरा जिला बाड़मेर
राजस्थान
सहायक कलाकार
1.
विडियो रिकॉर्डिंग का समय
~~विशेष~~ विषय- कथा (एक सेठ की कहानी)
विशेष विवरण - (सुमेरमल)

विशेष विवरण- एक बार एक सेठ था। उनके एक बेटा था सेठ के पास बहुत धन-माया थी। लेकिन उसके बेटे ने कहा पिताजी मैं आपकी जायदाद का हिंसा नहीं लुगा मैं खुद कमाऊंगा और खाऊंगा। और अपनी इच्छा अनुसार शादी करुंगा। वह लड़का वहा से रवाना हो जाता है। और एक शहर मैं जाता है। और देखता है कि एक सेठ और सेठानी अपनी सबजी की दुकान पर बैठे है और दोनो अन्धे होते हैं उनके बेटे पढ़ाई के लिए कही गये होते हैं। फिर ये वहा देखता है कि लोग सबजी ले कर चले जाते है मगर पैसे नही देते है।

उस समय ये सेठ और के पास जाता है और उससे दुकान चलाने के बारे मे बात करता है। तो वह उसे दुकान पर रख लेते है तो उस दिन वह दस रुपये कमाकर सेठ जी को देता है तो सेठजी कहता है कि मैने तो आज दिन तक कभी दस रुपये एक दिन मे नही कमाये तो बुढ़ा सेठ उसके काम से बहुत खुश हो जाता है। और वह बहुत कम समय मे बहुत अधिक धन कमा लेता है।

फिर सेठ अपनी बेटी का विवाह उनसे कर देता है और वह अपने अलग-घर में रहने लगता है। फिर ये काम करना छोड़ देता है और दिन भर सोया रहता है। उसकी पत्नी उसको काम करने के लिए बोलती है तो वह केहता है की जाओ और अपने पिताजी से एक लाख रुपये लेकर आ फिर मैं काम शुरु करूंगा। तो वह औरत अपने पिताजी के पास जाती है और एक लाख रुपये लाती है।

उस लाख रुपये की ये बकरीया खरीदता है और पहाड़ी पर छोड़ आता है। सुबह जब ये वहा जाता है तो उनमे से एक भी बकरी जीवित नही मिलती है उस समय वह सोचता है कि इस धन में मुझे लाभ नही है। घर वापस आता है और एक बार अपने ससुर से लाख रुपये लाकर भैंड़ खरीदता है और उसे भी उसी पहाड़ी पर छोड़ आता है।

सुबह जब वह वहा जाता है तो देखता है कि वह सही सलामत है। उसे भरोसा हो जाता है कि इस धन में मुझे लाभ है। फिर कुछ समय बाद उस सेठ के लड़के अपनी पढ़ाई पूरी करके घर वापस आते है तो दरबार उसे जहाजो पर जाने को बोलते है उस समय ये अपने बेहनोई को भी साथ में लेते है और रवाना हो जाते है। बेहनोई कुछ बोरी रुई की भरकर अपने साथ ले लेते है।

और इनसे कहते है की समुन्द्र के बीच मे मुझे उतार देना। वह उसे समुन्द्र के बीच मे उतारकर आगे का सफर तय करते है। ये वहा उतर जाता है और किनार तक चला जाता है पास ही मे एक स्त्री रहती है उसे अपनी धर्म की बहन बना लेता है और उनसे कहता है कि तुम रोज मुझे गाय का गोबर ला कर देते रहना। रात के समय में ये समुन्द्र के किनारे रुई जलता है तो पानी मे रहने वाले जलमानिषे जिनके हाथों मे समुंद्री हीरे पकड़े

होते है। वह वहा आते है और उस समय ये आवाज़ देता है तो उनके हाथों से हीरे गिर जाते है और ये हीरे लेकर गोबर की थेपड़ी में डाल देता है। ये सिलसिला बहुत समय तक चलता रहा। उस लड़के ने दो प्रकार की थेपड़ीया बनाई एक में हीरे और एक खाली। इनके पास बहुत हीरे जमा हो गये। और उधर से सेठ के लड़के भी जहाजों को लेकर वापस रवाना हो गये।

रास्ते में बेहनोई को देखते है दाढ़ी बढ़ी हुई कपड़े फटे हुए और सारा बदन गोबर से लथ पथ साथ में थेपड़िया और वो सोचते है बेहनोई थेपड़िया लेकर घर जायेगे। बेहनोई को भी जहाज मे बिठा दिया जाता है। बेहनोई ने एक थेपड़ी मे चार-चार हीरे डाल रखे थे। उसने हीरे से भरी थेपड़ियो को आगे और चली हुई थेपड़ियो को पीछे रख दिया और रवाना हो गये।

रास्ते में इनके साथियों को आग जलाने के लिए थेपड़ीयों की जरूरत पड़ती है। उस समय ये केहता है की मैं थेपड़िया तो दूंगा मगर एक शर्त पर वो ये कि जैसी थेपड़िया मैं आपको दूंगा आप मुझे वैसी वापस करेंगे वह यह शर्त मान लेते है और लिखा-पढ़ी कर लेते है। कुछ समय मे ये घर पहुंच जाते है और दरबार के पास जाते है और उन्हे एक एक हीरा नजराने के तौर पर देते है।

ये भी दरबार को नजराना देने के लिए पांच थेपड़ियां लेकर जाता है। दरबार बोलते है पामणो पधारों आप क्या लाये है मेरे लिए, नजराना तो वह पांच थेपड़ीया देते है और कहते है कि एक तगारी मे पानी लाओ और इन थेपड़ियों को पानी मे डालो जब पानी में डाला जाता है तो उनमेंसे २५ हीरे नीकलते है और वह २५ हीरे दरबार को नजराने के तौर पर देता है।

और दरबार से केहता है की जितने भी लोग हमारे साथ मे थे उन्होंने मुझसे थेपड़िया ली थी और वापस करने को भी कहा था। अब वह सभी लोग मेरी थेपड़िया वापस करे और उसमें मेरे पांच-पांच हीरे भी थे अगर आपको यकीन नहीं है तो मेरे घर मे ऐसी लाखों थेपड़िया है आप जा कर देख सकते है कि उस एक मे पांच हीरे है या नहीं।

अब सब लोग सोचने लगे की अगर हम अपने घर भी बेच दे तब भी हम आपके इतने हीरे वापस नहीं कर पायेंगे। कहानी के अन्त मे वो सब को माफ़ कर देता है और अपनी पत्नी को लेकर अपने घर वापस आता है।